



आईसीएआर—एनबीपीजीआर का 38वां स्थापना दिवस



आईसीएआर—एनबीपीजीआर के 38वें स्थापना दिवस 38वें के निदेशक डॉ. के.सी. बंसल, डॉ. एस.के. दत्ता (फसल विज्ञान), उपमहानिदेशक प्रो. वी. एल. चोपड़ा मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि, डॉ. जे. चौहान एस. सहायक महानिदेशक (बीज)

आईसीएआर—एनबीपीजीआर का 38वां स्थापना दिवस अगस्त 1, 2014 को मनाया गया। प्रोफेसर वी. एल. चोपड़ा पूर्व महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एवं सचिव, डेयर तथा योजना के पूर्व सदस्य इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे तथा डॉ. जे. एस. चौहान, सहायक महानिदेशक (बीज), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद को सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर, द्वितीय 'डॉ. हरभजन सिंह मेमोरियल लेक्चर' डॉ. एस.के. दत्ता, उपमहानिदेशक (फसल विज्ञान), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा दिया गया। कई सेवानिवृत्त और एनबीपीजीआर के पूर्व कर्मचारी भी इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज की।

संस्थान के निदेशक डॉ. के.सी. बंसल ने अपने स्वागत भाषण में ब्यूरो द्वारा पिछले एक वर्ष में प्राप्त मुख्य उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने भविष्य की योजना के बारे में भी उपस्थित लोगों को अवगत कराया। मुख्य अतिथि ने आनुवंशिक संसाधनों के उपयोग को बढ़ाने के लिए एक केंद्रीकृत दृष्टिकोण अपनाने के बल दिया। उन्होंने एनबीपीजीआर के समस्त स्टाफ को उनके प्रशंसनीय योगदान तथा एनबीपीजीआर को वैश्विक पटल पर लाने के लिए बधाई दी।

कर्मचारियों को प्रेरित तथा प्रोत्साहित करने के लिए गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सर्वश्रेष्ठ कार्मिक पुरस्कार और प्रशंसा प्रमाण पत्र दिए गए। सर्वश्रेष्ठ कार्मिक पुरस्कार नौ कार्यकर्ताओं श्री एसके सिंह वरिष्ठ तकनीकी सहायक (श्रेत्रीय केंद्र शिलांग); श्री पी.सी. बिंदा, तकनीकी सहायक, श्री संजय डंगवाल, अपर श्रेणी लिपिक और श्री प्रबल दास गुप्ता, सहायक (एनबीपीजीआर, नई दिल्ली); श्री बेनी मैथ्यू, यूडीसी (श्रेत्रीय केंद्र, त्रिशूर), और कुशल सहाई कर्मचारियों में श्री सत्य नारायण ठाकुर, श्री सुनील कुमार, श्री रोहताश (एनबीपीजीआर, नई दिल्ली); और श्री डीबी थापा श्रेत्रीय केंद्र, शिलांग को दिया गया। प्रशंसा प्रमाण पत्र सात कर्मचारियों श्री सुनील कुमार, तकनीकी सहायक एनबीपीजीआर, नई दिल्ली सुश्री डी करले, एलडीसी) श्रेत्रीय केंद्र, अकोला और कुशल कर्मचारियों में एनबीपीजीआर, नई दिल्ली के श्री अन्देश डोगरा, श्री दया नंद, श्री टी पोखरियाल और श्री अरुण कुमार तथा क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद से श्री एस.एम. शंकर को दिया गया। सभी गणमान्य अतिथियों ने एनबीपीजीआर के स्टाफ को उनके सराहनीय योगदान के लिए शुभकामनाएं दीं। पीजीआर के विद्यार्थियों तथा स्टाफ के बच्चों द्वारा प्रस्तुत मिलेजुले सांस्कृतिक के साथ ही इस कार्यक्रम का समापन हुआ।



प्रोफेसर वी. एल. चोपड़ा श्री प्रबल दास गुप्ता को सर्वश्रेष्ठ कार्मिक का पुरस्कार देते हुए

जननद्रव्य का आदानप्रदान

आयात

22 देशों से विभिन्न फसलों की कुल 8,116 प्रविष्टियां (7,555—जर्मप्लाजम, परीक्षण 561—लाई) गईं।

आशाजनक प्रविष्टि

कोको (ईसी—809262), **यूके**: ब्रिटेन सफेद जैसी।

मक्का (ईसी—813774, ईसी—815354), **फिलीपींस** : Bt11 और GA21 युक्त, GA21 ईवेंट युक्त ट्रांसजेनिक मक्का।

मक्का (ईसी—814245), **यूएसए** : Bt11 और GA 21 ईवेंट युक्त ट्रांसजेनिक मक्का।

अनानास—पपीता (ईसी—816070—71), **ऑस्ट्रेलिया**: पपीता की रिंगस्पॉट वारस प्रतिरोध जीन की डॉनर किस्म।

आलू (ईसी807941—52, 807942) **यूएसए**: अच्छी गुणवत्ता, कई रोगों के लिए प्रतिरोधी।

चावल (ईसी812972—93), **इंडोनेशिया**: बीएलबी और प्रध्वंश (ब्लास्ट) के प्रति रोधी।

चावल (ईसी814645,47,50,52,55,57,58,61,62,69,701—73) **नेपाल**: बेहतर जर्मप्लाजम, जैविक और अजैविक दबाव के विरुद्ध प्रतिरोधी।

चावल (ईसी816804—98) **चीन**: रोग कीट, रौटरिंग, लॉजिंग और सूखे के प्रति सहिष्णु; बेहतर अनाज और पकने की गुणवत्ता।

चावल (ईसी816899—976), **यूएसए** : कीट सहिष्णुता, बेहतर दाने, लॉजिंग सहिष्णुता, बेहतर का गुण, सूखा सहिष्णु।

पादक संगरोध

संगरोध क्लियरेंस लिए जर्मप्लाजम ट्रायल और ट्रांसजेनिकस के कुल 20,909 आयातित नमूनों की प्रोसेसिंग की गई। इसमें से /नमूनों संक्रमित 188 पीड़ित पाया गया। इनमें से 98 नमूनों को रिजेक्ट किया गया तथा नमूनों 90 को भौतिक रासायनिक उपचार—द्वार बचाया गया। आयातित नमूनों में पाए गए अवरोधों (इंटरसेप्शन) में कवक पाया गया जिसमें चीन और नेपाल से लाए गए ओराइजा सेटाइवा पर टिलेटिया बारक्लेयाना तथा फिलीपींस से लाए गए आरोइजा सेटाइवा पर एफेलेंकोडिस बेसेई को पाया गया। एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद से जर्मप्लाजम के आयात के (6,221 नमूनों) तथा निर्यात हेतु (1,840 नमूनों) सहित कुल 8,061 नमूनों की संगरोध की दृष्टि से प्रोसेसिंग की गई। इस महत्वपूर्ण जननद्रव्य में धान, मक्का, ज्वार, टमाटर, मिर्च, करेला, मस्क मीलान, जेट्रोफा कर्कस, तंबाकू, सोयाबीन, कपास, कुसुम और सूरजमुखी से जननद्रव्य को विभिन्न देशों से प्राप्त किया गया था। यथावश्यक जरूरी उपचार के पश्चात इनमें से आयातित जर्मप्लाजम के (9,461 नमूनों) को उपयोगकर्ताओं को सौंपा गया। कुल मिलाकर 24 फाइटोसेनिटरी प्रमाणपत्र जारी किए गए। संगरोध प्रोसेसिंग के दौरान यूएसए से आयात मिर्च पर आल्टरनेरिया पोरी, कनाडा तथा कोस्टारिका से पाप्त सोयाबीन पर

पेरोनोस्पोरा मंशूरिका, थाइलैंड से प्राप्त मक्का में राइजोक्टोनिया सोलेनी तथा चीन से प्राप्त जेट्रोफा करकास पर कोरिनेस्पोरा स्पी. को इंटरसेप्ट किया गया।

जननद्रव्य का लक्षणवर्णन एवं मूल्यांकन

पर्ण स्पॉट के प्रति एमरेंथस स्पी. का मूल्यांकन

चीन के पालक (एमरेंथस स्पी.) में वर्षा के मौसम में लीफ स्पॉट रोग कि कोलेटोड्राइकम स्पी. तथा राइजोक्टोनिया सोलेनी द्वारा फैलाता है एक प्रमुख रोग है। एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र त्रिशुर में विभिन्न प्रकार के पत्तेदार एमरेंथ प्रजाति के कुल 150 एक्सेसननों में इस रोग की स्क्रीनिंग की गई। एमरेंथकी सभी ट्राइकरल किस्मों तथा ए. ट्राइकरलर की किस्म ट्रिस्टिस ने पत्तों का रंग हरा या लाल होने के बावजूद मध्यम से अत्यधिक स्तर की



पत्तेदार एमरेंथ में ग्राहय (दाएं) और सहिष्णु एक्सेसननों (बाएं और मध्य) की तुलना

संवेदनशीलता प्रदर्शित की। लाल पत्तों वाली ए. लिविडस एक्सेसन आईसी541382, आईसी541417 तथा आईसी541445 ने मध्यम स्तर की सहिष्णुता दिखाई। ए. डुबियस की आईसी एक्सेसन संख्या 539834, 553750, 536712, 551498, 539856, 553738, 551504, 551503, 551464, 551491, 551501, 551458 तथा 469680 एवं ए. डुबियस की चैक किस्म सीओ1 की तुलना में उच्च सहिष्णुता प्रदर्शित की। मल्टी कट हार्वेस्ट के लिए चीनी पालक की देर से बोल्टिंग लाभदायक पाई गई। चैक किस्मों में जिनमें 30 दिन के भीतर पुष्प आते हैं की तुलना में एक्सेसन आईसी संख्या 553718, 553719, 469648, 536655, 553737, 469600, 536707, 469739, 469569, 550143, 469709, 550145, 536728, 469692, 536666, 469746, 469740, 469579 तथा 550142 में 60 दिनों तक देर से फूल आने की प्रवृत्ति पाई गई। एक्सेसन आईसी550145, आईसी536728 तथा आईसी469564 को द्वि-उद्देशीय पत्तेदार तथा शोभाकारी तने वाला एमरेंथ पाया गया।

फ्यूजेरियम विल्ट के प्रति कुलथी के जननद्रव्य की फील्ड स्क्रीनिंग

एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र अकोला में खरीफ 2014 के दौरान उगाए गए कुलथी के विविध जर्मप्लाजम के 62 एक्सेसननों की खेत की दशाओं में फ्यूजेरियम विल्ट के प्रति स्क्रीनिंग की गई। इस रोग की मानक स्कोरिंग 1—9 के स्केल का उपयोग करते हुए स्क्रीनिंग की गई। 48 एक्सेसननों में इस रोग की संवेदनशीलता का बहुत कम या कोई प्रभाव नहीं देखा गया, 10 एक्सेसननों में इसका प्रभाव कम पाया गया जबकि केवल 4 एक्सेसननों में इस खेत का सक्रमण मध्यम



फ्यूजेरियम विल्ट के प्रति संवेदनशीलता तथा सहिष्णुता प्रदर्शित करने वाली कुथली के जर्मप्लाजम का खेत में प्रदर्शन

स्तर पर पाया गया। 14 एक्सेसनों ने इस रोगाणु (पैथोजन) के प्रति संवेदनशीलता का कोई लक्षण प्रदर्शित नहीं किया।

कैपफेरिया गेलंगा का मूल्यांकन

दो चैक किस्मों 'रजनी' तथा 'कस्तूरी' सहित कैपफेरिया गेलंगा के 32 एक्सेसनों का आरबीडी में दो रेप्लीकेशन सहित खेत में मूल्यांकन किया गया। प्रति पौध ताजे और सूखे प्रकंदों, ताजे जड़ों का भार, जड़ों की संख्या, जड़ों की लंबाई, कंद की लंबाई और चौड़ाई के बीच एक उल्लेखनीय सकारात्मक सहसंबंध पाया गया। ताजे जड़ों के भार तथा और प्रकंदों के शुष्क भार तथा प्रकंदों की संख्या, प्रकंदों की ऊंचाई का ताजे जड़ों के भार तथा जड़ों की मोटाई का ताजे प्रकंदों के भार सहित नकारात्मक सहसंबंध देखा गया। प्रति वृक्ष शुष्क प्रकंदों की उपज के लिए पाए गए उत्कृष्ट जीनोटाइप में आईसी87826 (28.54 ग्रा), आईसी373588 (27.27), आईसी373554 (21.10 ग्रा), आईसी210748 (36.61 ग्रा) आईसी550152 (30.61 ग्रा), तथा आईसी582821 (18.85 ग्रा) की पहचान की गई।

शिमला में खेतिदार और बागवानी फसलों का लक्षणवर्णन

एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र शिमला में दानेदार चौलाई के (484), सेम के (1,110) चीनोपॉड के (69), एडजुकी बीन के (35), लोबिया के (91) तथा शीतोष्ण फलों के (147) एक्सेसनों सहित जननद्रव्य का लक्षणवर्णन और मूल्यांकन किया गया। दानेदार चौलाई में पौधे का रेंज 188.1–360.5 सेमी, पुष्पगुच्छ की लंबाई 42.6–105.4 सेमी, परिपक्वता के दिन 125–187, तथा प्रति वृक्ष उपज 13.26–140.7 ग्राम तक पाई गई। सेम (किडनी बीन) में ईसी 755638, ईसी755378 तथा ईसी755381 ने जल्दी परिपक्वता प्रदर्शित की जबकि ईसी 755387 तथा 755383 को प्रति वृक्ष फलियों की संख्या (>21) के मामले में आशाजनक पाया गया। लोबिया (<105 दिन) और चीनोपॉड (<85 दिन) में क्रमानुसार एक्सेसन आईसी106047, आईसी91545, आईसी91549, तथा आईसी 341704, आईसी 415477 व आईसी 540836 को जल्दी पकने की दृष्टि से अच्छा पाया गया। खुबानी में एक्सेसन आईसी 558065, ईसी539003 तथा ईसी346008 में उच्च टीएसएस (>15.0) तथा फल का वजन (>50.0g) प्राप्त हुआ। आडू में एक्सेसन आईसी349928, आईसी566147, ईसी552643, ईसी552644 में फलों का अधिक



प्रति वृक्ष फलियों की संख्या वाल आशाजनक किडनी बीन ईसी755383 (>21)

वजन (>110.0ग्रा), टीएसएस (>10.0%) तथा गूदा-गुटली अनुपात (<6.0), पाया गया। प्लम में एक्सेसन आईसी558082, आईसी 566180 तथा ईसी539001 को फल भार (>80.0 ग्रा), टीएसएस (>13.0) तथा गुटली के वजन (<1.5 ग्रा) की दृष्टि से उत्कृष्ट पाया गया।

ब्रेसिका तथा मुनक्का स्पी. की गुणवत्ता का मूल्यांकन

रेपसीड-सरसों के ब्रेसिका जुंसी (122), बी. जुंसी उप प्रजाति रूगोसा (15) तथा बी. रापा (13) को सम्मिलित करते हुए कुल 150 एक्सेसनों का उनमें उपस्थित तैल अंश के लिए विश्लेषण किया गया जो कि 29.67–46.86% के बीच पाया गया। दो एक्सेसनों आईसी355319 (46.86%) तथा वाईएसएमएल-6 (46.38%) में उच्च तैल अंश (>46%) पाया गया। एल-डोपा अंश हेतु मुनक्का की प्रजातियों के फाइटो-केमिकल मूल्यांकन में ओडिशा की जंगलों से एकत्रिक चार प्रजातियों का एल-डोपा, एक एंटी पार्किंसन एजेंट हेतु मूल्यांकन किया गया। मुनक्का के जर्मप्लाजम (25 एक्सेसन) में बीजों के गुणों जैसे बीज का रंग, आकार एवं प्रकार में काफी विविधता पाई गई। 21 एक्सेसनों में एल-डोपा अंश में काफी विविधता पाई गई जबकि एम. प्रुरियंस की प्रुरिएंस किस्म में यह सूखे बीजों में 5.34–7.60% के बीच पाया गया।

मुनक्का की अन्य प्रजातियों के बीजों में एल-डोपा क्रमशः एम. मोनोस्पर्म (4.61%) एम. नाइग्रिकंस में (6.16%) एम जाइगेंटी में (6.76%) जबकि एम. प्रुरिएंस की किस्म नीविया में सबसे कम एल-डोपा अंश पाया गया जो कि 1.22% था। उच्च एल-डोपा अंश (>7%) वाले संभावनायुक्त एक्सेसनों में आईसी 599330, आईसी599336, आईसी599290, तथा आईसी599350 की पहचान की गई है।

गुण-विशिष्ट जननद्रव्य की पहचान

जामुनी फीनोटाइप सहित एंथ्रेक्नोज प्रतिरोधी मिर्च एक्सेसन

एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद में चिन्हाकित मिर्च के दो एक्सेसनों (कैप्सिकम एनम) को आईसीएआर-एनबीपीजीआर जर्मप्लाजम पंजीकरण प्रणाली के तहत पंजीकृत किया गया। आंध्र



जामुनी फीनोटाइप (तना, पत्ती और खड़े फल) हेतु पंजीकृत कैम्पिकम एनम की एक्सेसन आईसी436231

प्रदेश के कृष्णा जिले से प्राप्त एक एक्सेशन जो कि जामुनी फीनोटाइप (तना, पत्ती व उर्ध्वाकार फलों वाला) है को आईएनजीआर 14040/आईसी436231/पीएसआरकेके-11287 के तौर पर पंजीकृत किया गया जो कि ब्रीडिंग अध्ययन में एक माफ़ौलॉजिकल मार्कर के रूप में काफी उपयोगी है। तेलंगाना के महबूबनगर जिले से प्राप्त एक अन्य एक्सेसन एंथ्रेक्नोज (कोलेटोट्राइकम कैम्पिकी) के प्रति पाया गया है कि रेजिस्टेंस ब्रीडिंग में उपयोग के लिए एक प्रबल उपयोगी स्रोत है जिसे आईएनजीआर-14041/आईसी570408/एसबीटी-12549 के तौर पर पंजीकृत किया गया है।

प्रकाश-संवेदी उड़द (ब्लैक ग्राम) जननद्रव्य

उड़द (विग्ना मंगो) जिसे उर्दबीन भी कहा जाता है। एक जल्दी तैयार होने वाली दलहनी फसल है जिसकी अधिकतर विमोचित किस्में प्रकाश-असंवेदी हैं अतः इन्हें पूरे वर्ष के दौरान कभी भी उगाया जा सकता है। स्थान विशिष्ट जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किस्मों के विकास हेतु पैतृक विविधता हेतु इनकी प्रकाश संवेदी किस्मों (अप्रभावी लक्षण) की आवश्यकता है। आंध्रप्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में मंदासा मंडल के लिलोई ग्राम से एक प्रविष्टि

संग्रहित की गई है जो कि प्रकाशसंवेदी है तथा केवल वर्षा के पश्चात/रबी मौसम में फूल देती है। इसे आईएनजीआर 13057/आईसी26765/बीएआर-062 के रूप में पंजीकृत किया गया है। इसे आंध्र प्रदेश के विभिन्न कृषि जलवायु अंचलों हेतु उपयुक्त उड़द की बहुउद्देशीय किस्मों को विकसित करने के लिए उपयोग में लाया जा सकता है।

मूंग (विग्ना रेडिया) की ठोस बीज वाली, अल्पावधि व अधिक उपज वाल किस्म



सीएजेडआरआई, जोधपुर के विशेषज्ञों द्वारा मूंग जीनोटाइप आईसी39289-पी4 की निष्पादन क्षमता का निरीक्षण

एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केन्द्र, जोधपुर में मूंगबीन की एक जीनोटाइप (आईसी39289-पी4) विकसित की गई है। 2012 के ग्रीष्म कालीन परीक्षण से जल्दी परिपक्व होने वाले एकल पौधे का चयन किया गया। उपज, परिपक्वता अवधि तथा 100 दानों के भार की दृष्टि से इसकी निष्पादन क्षमता खरीफ 2012 से लगातार सुसंगत रही है। एनबीपीजीआर में जल्दी परिपक्व होने वाली पंजीकृत दो एक्सेसनों की तुलना में इसकी निष्पादन क्षमता नीचे की तालिका में दी गई है।

लक्षण	मौसम	एक्सेसन		
		आईसी39289-पी4	आईपीएम 205-7	आईपीएम 409-4
परिपक्वता अवधि	खरीफ 2012	50		
	ग्रीष्म 2013	50		
	खरीफ 2013	50	50	50
	ग्रीष्म 2014	51	50	50
	खरीफ 2014	50	50	50
100-बीज भार	खरीफ 2012	5.82-7.17		
	ग्रीष्म 2013	6.02-7.26		
	खरीफ 2013	5.86-7.05	3.02-3.72	3.35-3.84
	ग्रीष्म 2014	6.05-7.25	3.15-3.75	3.45-3.95
	खरीफ 2014	6.02-7.18	3.04-3.70	3.37-3.90
उपज (किग्रा/हे0)	खरीफ 2012	1350		
	ग्रीष्म 2013	1378		
	खरीफ 2013	1360	1065	1050
	ग्रीष्म 2014	1400	1100	995
	खरीफ 2014	1380	1080	1025

जीन संबंधी संसाधनों का सृजन

आनुवंशिक तौर पर अनधिकृत संशोधित ईवेंट की स्क्रीनिंग हेतु नए टूल का सृजन

भारत में पहली बार 21 फसलों के 141 जीएम ईवेंट में 106 आनुवंशिक तत्वों की स्क्रीनिंग के लिए एक 'जीएमओ मेट्रिक्स' को डिजीन सपोर्ट प्रणाली के तौर पर विकसित किया गया है जीएमओ सीक एल्गोरिदम का उपयोग करते हुए इन ईवेंट की स्क्रीनिंग हेतु इनमें से 10 आनुवंशिक तत्वों की पहचान की गई है। तकमैन रियल-टाइम पीसीआर आधारित मल्टी-टारगेट सिस्टम को विकसित किया गया है जो एक समय में 47 लक्ष्यों की जांच कर सकता है। जिसमें 06 इंडोजीनस रिफरेंस जीन्स शामिल हैं। डिनोवो (पुन) ईवेंट को रोकने में महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

फील्ड दिवस

एनबीपीजीआर, नई दिल्ली

में 15 सितम्बर, 2014 को एक फील्ड दिवस तथा मक्का के आनुवंशिक संसाधनों पर एक विचार-सत्र को आयोजन किया गया ताकि मक्का की खेती से जुड़े विशेषज्ञ खरीफ 2014 के दौरान उगाए गए 300 से अधिक विविधता पुर्ण एक्सेसनों को देखकर उनमें से वांछित किस्मों के चयन कर सकें। इस फील्ड दिवस में 40 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें चार आईसीएआर संस्थानों तथा 06 राज्य कृषि विश्वविद्यालयों जिनमें चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र (सीसीएसएचएयू), करनाल, पंजाब, कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू), लुधियाना; आनंद कृषि विश्वविद्यालय (एएयू), गोधरा, गुजरात; कृषि

विज्ञान विश्वविद्यालय (यूएस), धारवाड, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमपीयूएटी), उदयपुर, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसएयूएटी), कानपुर, मक्का अनुसंधान निदेशालय (डीएमआर), नई दिल्ली, आईएआरआई, नई दिल्ली, विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (वीपीकेएस), अल्मोड़ा तथा एनबीपीजीआर, नई दिल्ली शामिल थे।

विचार सत्र के मुख्य अतिथि डॉ जे एस चौहान, सहायक महानिदेशक (बीज) भाकृअनुप, नई दिल्ली ने अजैविक दबाव, नाइट्रोजन की उपयोग दक्षता तथा नए क्षेत्रों हेतु अनुकूलनशीलता के मक्का के आनुवंशिक संसाधनों का गहन मूल्यांकन पर जोर दिया। अपने प्रारंभिक भाषण में एनबीपीजीआर के निदेशक डॉ बंसल ने आनुवंशिक आधार को और अधिक व्यापक बनाने के लिए मक्का जर्मप्लाज्म में उपलब्ध परिवर्तनशीलता का सर्वश्रेष्ठ उपयोग करने और विशिष्ट जननद्रव्य के पंजीकरण हेतु पादप प्रजनकों से अनुरोध किया। इस अवसर पर डॉ साई दास, पूर्व परियोजना निदेशक, मक्का अनुसंधान निदेशालय द्वारा स्वाभाविक किस्मों के महत्व और रखरखाव, डॉ टी नेपोलियन, आईएआरआई ने सूखे के प्रति सहिष्णु जीनों की पहचान करने में आणविक उपकरणों के उपयोग तथा एलील माइनिंग हेतु व्याख्यान प्रस्तुत किए। डॉ आर के त्यागी, हेड, जर्मप्लाज्म संरक्षण प्रभाग, एनबीपीजीआर द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ विचार सत्र संपन्न हुआ।



एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र त्रिशुर में कद्दूवर्गीय जननद्रव्य की जांच करते प्रतिभागी

कुकुर्बिट्स त्रिशुर

एनबीपीजीआर के क्षेत्रीय केंद्र त्रिशुर में 19 सितम्बर को फसल सुधार में संलग्न वैज्ञानिकों के लाभार्थ कद्दूवर्गीय सब्जियों पर एक फील्ड दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केरल एवं तमिलनाडु के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों से विद्यार्थियों तथा वैज्ञानिकों सहित 25 प्रतिभागियों ने सहभागिता की इस अवसर पर आईआईएचआर तथा केयू के अनुसंधान निदेशालय से भी एक वैज्ञानिक उपस्थित थे। इस फील्ड दिवस में कद्दूवर्गीय सब्जियों जिसमें करेला (24), कद्दू (36) तथा ककड़ी (53) के कुल मिलाकर 100 नमूनों की सहभागियों द्वारा जांच की गई।



जीएम फसलों की जांच एवं जैवसुरक्षा पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन करते श्री हेम पांडे



जीएम फसलों की जांच एवं जैवसुरक्षा पर राष्ट्रीय कार्यशाला

जीएम फसलों की जैव सुरक्षा और जांच पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन एनबीपीजाआर, नई दिल्ली में 11 से 16 अगस्त तक आयोजित की गई। इस कार्यशाला के प्रतिभागियों में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों एवं अनुसंधानकर्ता शामिल थे। श्री हेम पांडे अपर सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एवं अध्यक्ष जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति मंत्रालय (जीईएसी), भारत सरकार ने इस कार्यशाला का उद्घाटन किया। एनबीपीजाआर के निदेशक तथा इस कार्यक्रम के संचालक डॉ के सी बंसल ने देश में जीएम फसलों के वर्तमान परिदृश्य में इस कार्यशाला के महत्व पर बल दिया। डॉ गुरिंदरजीत रंधावा, प्रमुख वैज्ञानिक और पाठ्यक्रम समन्वयक ने एनबीपीजाआर में जीएम मी जांच क्रियाकलापों का ब्योरा दिया। इस कार्यशाला में व्यापक रूप से नियामक व्यवस्थाओं, जोखिम मूल्यांकन और जैव सुरक्षा के मुद्दों और उनके रिलीज पश्चात निगरानी के लिए प्रबंधन रणनीति के विकास सहित जीएम फसलों के क्षेत्र में हाल ही में एस आर राव, आनुवंशिक मेनीपुलेशन पर रिव्यू समिति के सलाहकार एवं सदस्य सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, डॉ रंजिनी वारियर, निदेशक, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और सदस्य सचिव, जीईएसी; डॉ विभा आहूजा, महाप्रबंधक, बीसीआईएल; डॉ ए के सिंह, प्रोफेसर और हेड, जेनेटिक्स प्रभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान और एनबीपीजाआर से विशेषज्ञों और वरिष्ठ संकाय सदस्य शामिल थे। परंपरागत व्याख्यानों के अतिरिक्त कार्यशाला में दो परस्पर चर्चा सत्र भी रखे गए जिनमें नियामक तंत्र से संबंधित वास्तविक एवं काल्पनिक मामलों के अध्ययन तथा और जीएम जांच प्रयोगशाला में व्यावहारिक ज्ञान पर तीन प्रशिक्षण भी सम्मिलित हैं कार्यशाला के समापन समारोह में पद्म भूषण डॉ आर एस परोदा, कृषि विज्ञान प्रगति ट्रस्ट के अध्यक्ष और पूर्व सचिव, डेयर एवं महानिदेशक कृषि विज्ञान प्रगति ट्रस्ट के अध्यक्ष और पूर्व सचिव डेयर एवं महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, मुख्य और एक सरल एवं विश्वसनीय, पारदर्शी

और गतिशील राष्ट्रीय नियामक व्यवस्था बनाए जाने पर बल दिया।



जीएम फसलों की जांच एवं जैव सुरक्षा पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रतिभागी एवं संकाय सदस्य

अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक

ब्यूरो की अनुसंधान समिति की 16वीं बैठक 2 अगस्त, 2014 को डॉ तेज प्रताप, कुलपति भोरे का मीर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, श्रीनगर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। आरएसी के सदस्यों डॉ एस एडीसन पूर्व निदेशक, केन्द्रीय कंद फसल अनुसंधान संस्थान (सीटीसीआरई), थिरुअनंतपुरम, डॉ जे पी खुराना, प्रोफेसर पादप आण्विक जैविकी दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ जे एस चौहान, सहायक महानिदेशक (बीज), आईसीएआर, नई दिल्ली, डॉ ए के सिंह, प्रोफेसर जीन विज्ञान प्रभाग, आईएआरआई, नई दिल्ली, डॉ के एस रवि, लीड-सब्जी अनुसंधान केन्द्र महाराष्ट्र हाइब्रिड बीज कम्पनी लिमिटेड, बैंगलुरु ने इस बैठक में उपस्थित होकर चर्चा में भाग लिया। आरएसी के सदस्यों ने ब्यूरो की अनुसंधान गतिविधियों एवं प्रगति की समीक्षा की और अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्र में सुझाव दिए जिनमें फसल प्राथमिकताएं कम ज्ञात किंतु महत्वपूर्ण आदिवासी वनीय फसलो एवं फसल उत्पादों हेतु बाजार सुविधा उपलब्ध कराकर स्थानीय समुदायों की सहायता से स्व-स्थाने संरक्षण की आवश्यकता मजबूत संस्थागत पूर्व-प्रजनन कार्यक्रमों द्वारा फसलों की जंगली प्रजातियों के उपयोग से फसल सुधार शामिल हैं। इन सिफारिशों को ब्यूरो की अधिदेष्ट क्रियाकलापों में शामिल किया जा रहा है ताकि आनुवंशिक विविधता के आर्थिक मूल्य को प्राप्त किया जा सके।

संस्थान अनुसंधान समिति की बैठक

संस्थान अनुसंधान समिति (आईआरसी) की बैठक संस्थान के निदेशक डॉ के सी बंसल की अध्यक्षता में वर्ष 2013-14 के दौरान संस्थान की परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा करने तथा वर्ष 2014-15 के लिए तकनीकी कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए 4 से 6 अगस्त, 2014 के दौरान आयोजित की गई। इस बैठक में संस्थान मुख्यालय तथा क्षेत्रीय केन्द्रों के 125 से अधिक वैज्ञानिकों एवं तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया। एनबीपीजाआर में चल रहे 88 संस्थान की परियोजनाओं की प्रगति को संबंधित प्रधान अन्वेषकों द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रत्येक प्रभाग/इकाई/क्षेत्रीय केन्द्रों हेतु विशिष्ट और सामान्य सिफारिशें भी की गईं।

पादप जननद्रव्य पंजीकरण समिति की बैठक

पादप जननद्रव्य पंजीकरण समिति (पीजीआरसी) की 30वीं बैठक आईसीएआर के सहायक महानिदेशक (बीज) आईसीएआर नई दिल्ली की अध्यक्षता में 4 सितम्बर, 2014 को एनबीपीजीआर, नई दिल्ली में सम्पन्न हुई। इस बैठक में पंजीकरण हेतु कुल 108 प्रस्तावों (79 नए और 29 संशोधित) पर विचार किए गए। अंतिम रूप से 11 प्रजातियों से संबंधित 18 प्रस्तावों (13 नए और 5 संशोधित) को पंजीकरण के लिए अनुमोदित किया गया। कुछ उल्लेखनीय पंजीकृत जननद्रव्य में पौध स्तर पर लवणीयत दबाव के प्रति सहिष्णु चावल, गुलाब जैसी भीनी सुगंध वाली चाय, मोनोसियस सेक्स फार्म सहित मस्कमीलान, सफेद रंग के पुष्प वाला मखाना, जामुनी रंग के फूल सहित चाइना एस्टर तथा जल्दी फूलने वाला ग्लेडिओलस सम्मिलित है।

प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण

एनबीपीजीआर, नई दिल्ली द्वारा विकसित पीसीआर आधारित जीएम जांच प्रौद्योगिकी के तकनीकी हस्तांतरण हेतु पंजाब जैव प्रौद्योगिकी इन्क्यूबेटर (पीबीटीआई), मोहाली के साथ गैर विशेषता

के आधार पर ;वद दवद.मगबसनेपअम इंपेद्ध एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए



पूर्व सचिव, डेयर एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ज्ञान तथा पूर्व सदस्य, योजना आयोग प्रोफेसर वीएल चोपड़ा एवं डॉ ए के दत्ता उपमहानिदेशक (फसल बिक्री उपस्थिति) में डॉ के सी बंसल तथा डॉ आर एस मारवाह, सीईओ, पीबीटीआई के बीच एमओयू का आदान प्रदान।

कार्मिक समाचार

विदेश में प्रतिनियुक्ति

डॉ मोनिका सिंह, वैज्ञानिक, जीन विज्ञान संसाधन प्रभाग (डीजीआर), एनबीपीजीआर, नई दिल्ली ने ट्रिस्टे, इटली में 30 जून से 4 जुलाई तक 'रिस्क आकलन जीएमओ निर्णय लेने में विज्ञान की भूमिका' पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में सहभागिता की।

डॉ जे सी राना, प्रधान वैज्ञानिक तथा प्रभारी एनबीपीजीआर क्षेत्रीय केन्द्र, शिमला ने सस्केचवान विश्वविद्यालय, सरकाटून, कनाडा में 7 जुलाई से 11 जुलाई 2014 तक आयोजित 'छठी अंतरराष्ट्रीय खाद्य फली अनुसंधान सम्मेलन (आईएफएलआरसी टप) तथा फली आनुवंशिकी तथा जीनविज्ञान पर 7वीं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएलजीजी VII) में भाग लिया।

डॉ गुरिन्दरजीत रंधावा, प्रधान वैज्ञानिक, डीजीआर, एनबीपीजीआर, नई दिल्ली ने कोरियन सोसायटी ऑफ फूड साइंस एंड टेक्नालॉजी, ग्वाजगजू रिपब्लिक ऑफ कोरिया द्वारा 25 से 27 अगस्त, 2014 तक आयोजित भविष्य के लिए सृजनात्मक खाद्य विज्ञान के दौरान भविष्य की खाद्य सुरक्षा हेतु जीएम खाद्य की जांच हेतु नई प्रौद्योगिकी सत्र में खाद्य श्रृंखला में अनधिकृत जीएम ईवेंट को रोकने के लिए किफायती नई प्रौद्योगिकी पर एक मुख्य व्याख्यान दिया।

डॉ संध्या गुप्ता और एस के मलिक, प्रधान वैज्ञानिक, टिशू कल्चर तथा क्रायोप्रिजर्वेशन यूनिट, एनबीपीजीआर, नई दिल्ली ने ब्रिस्बन, आस्ट्रेलिया में 17 से 22 अगस्त 2014 तक आयोजित 29वीं अंतरराष्ट्रीय बागवानी कांग्रेस (आईएचसी 2014) में भाग लिया।

नियुक्तियां

डॉ जोसेफ जॉन के, प्रधान वैज्ञानिक, एनबीपीजीआर क्षेत्रीय केन्द्र त्रिशूर को 01 जुलाई, 2014 से केन्द्र का प्रभारी बनाया गया।

श्री विनोद कुमार राय ने 10 जुलाई 2014 को एनबीपीजीआर, नई दिल्ली में सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी (एएफ एंड एओ) का पदभार ग्रहण किया।

श्री अनिल कुमार अग्रवाल ने 18 जुलाई, 2014 को एनबीपीजीआर, नई दिल्ली में वित्त एवं लेखा अधिकारी (एफ एंड एओ) का पदभार ग्रहण किया।

सेवा निवृत्ति

डॉ पी सी अग्रवाल, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख पादप संगरोध प्रभाग, एनबीपीजीआर, नई दिल्ली 31 जुलाई 2014 को संस्थान की सेवा से निवृत्त हुए। श्रीमती विनय भार्मा, सहायक प्रशासनिक



अधिकारी (एएओ), एनबीपीजीआर, नई दिल्ली 31 जुलाई 2014 को संस्थान की सेवा से निवृत्त हुई।

श्री राम चंद्र यादव, तकनीकी अधिकारी, जर्मप्लाज्म मूल्यांकन प्रभाग, एनबीपीजीआर, नई दिल्ली 31 जुलाई 2014 को संस्थान की सेवा से निवृत्त हुए।

श्रीमती वी एस भार्गवी, एसएसएस, एनबीपीजीआर, क्षेत्रीय केन्द्र, त्रिशुर 31 जुलाई 2014 को संस्थान की सेवा से निवृत्त हुए।

श्री आर एस यादव, तकनीकी अधिकारी, जर्मप्लाज्म संरक्षण प्रभाग, एनबीपीजीआर, नई दिल्ली संस्थान की सेवा से 31 अगस्त 2014 को सेवा निवृत्त हुए।

स्थानान्तरण

डॉ (सुश्री) प्रज्ञा कुमारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, जर्मप्लाज्म मूल्यांकन प्रभाग, एनबीपीजीआर, नई दिल्ली का 6 सितम्बर 2014 को भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (आईआईवीआर) वाराणसी को स्थानान्तरण हुआ।

पुरस्कार एवं सम्मान

डॉ संध्या गुप्ता को कमीशन ऑफ, प्लांट जेनेटिक रिसोर्सज ऑफ इंटरनेशनल सोसायटी फॉर हार्टिकल्चरल साइंस (आईएसएचएस) बेल्जियम का वाइस चेयरमैन चुना गया और उन्होंने ब्रिसबन, आस्ट्रेलिया में आईएचसी 2014 के दौरान 19 अगस्त को कार्यभार ग्रहण किया।

आईसीएआर नेशनल फैलो

डॉ सुनील अर्चक, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा प्रभारी कृषि ज्ञान प्रबंधन इकाई (एकेएमयू) एनबीपीजीआर, नई दिल्ली को 16 सितम्बर 2014 को आईसीएआर का नेशनल फैलो चुना गया। यह पद आईसीएआर-कृषि विश्वविद्यालय प्रणाली में प्रोफेसर/प्रधान वैज्ञानिक के पद के समकक्ष हैं। डॉ अर्चक इस सम्मान को प्राप्त करने वाले एनबीपीजाआर से प्रथम वैज्ञानिक हैं।



एनबीपीजाआर के निदेशक डॉ के सी बंसल डॉ अर्चक को शुभकामना देते हुए।

प्रमोशन

श्री दिनेश प्रसाद को 21 अगस्त 2014 से एएओ के पद पर प्रोन्नत किया गया।

श्री संजीव कुमार को 26 सितम्बर 2014 से वरिष्ठ तकनीकी सहायक से तकनीकी अधिकारी के पद पर प्रोन्नत किया गया।

श्री दीक्षांत गौतम को 26 सितम्बर 2014 से वरिष्ठ तकनीकी सहायक से तकनीकी अधिकारी के पद पर प्रोन्नत किया गया।

श्री लाल सिंह को 26 सितम्बर 2014 से वरिष्ठ तकनीकी सहायक से तकनीकी अधिकारी के पद पर प्रोन्नत किया गया।

श्री प्रकाश चंद्र को 26 सितम्बर 2014 से तकनीकी सहायक से वरिष्ठ तकनीकी सहायक के पद पर प्रोन्नत किया गया।

श्री पी सी बिंद्रा को 26 सितम्बर 2014 से तकनीकी सहायक से वरिष्ठ तकनीकी सहायक के पद पर प्रोन्नत किया गया।

आईसीएआर के जोनल स्पोर्ट्स मीट (मध्य जोन) में एनबीपीजीआर की सहभागिता



एनबीपीजाआर के एक खेल दल ने जिसमें वैज्ञानिक तकनीकी, प्रशासनिक तथा सहाई स्टॉफ शामिल था, ने एनबीएसएस एंड एल यूपी, नागपुर में 16 से 20 सितम्बर 2014 तक आयोजित खेल समारोह में भाग लिया। इस खेल आयोजन में आईसीएआर के विभिन्न संस्थानों से 22 टीमों ने भाग लिया। एनबीपीजीआर ने इस खेल समारोह में सर्वश्रेष्ठ दल का पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रकाशित निदेशक

राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो
पूसा कैम्पस, नई दिल्ली-110 012, भारत

संकलन एवं संपादन

अनुराधा अग्रवाल, कविता गुप्ता एवं ललित आर्य
कम्प्यूटर सहायक
विजय कुमार मंडल